

UP Board Notes Class 7 Hindi Chapter 9 चन्द्रगुप्त मौर्य (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने बाहुबल और अदम्य साहस से भारत में राजनैतिक एकता स्थापित की। सिकन्दर ने सिन्ध, पंजाब, तथा सीमा प्रदेश को जीता और यूनानी अधिकारियों को यहाँ का शासन सौंपकर लौट गया। अत्याचारी शासन से दुखी प्रजा को महत्त्वाकांक्षी चन्द्रगुप्त का नेतृत्व मिल गया। चन्द्रगुप्त ने सेना संगठित की और यूनानियों को भारत-भूमि से बाहर निकाल दिया। इसने मगध साम्राज्य को जीता और यह राजधानी पाटलिपुत्र के सिंहासन पर बैठ गया।

उत्तर भारत के बाद सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँधने के लिए बंगाल, मालवा आदि राज्य इसने जीत लिया। सिकन्दर के सेनापति सेल्यूकस को भी इसने अपने अन्तिम युद्ध में हराया, तब सेल्यूकस ने अपनी पुत्री का विवाह इससे कर दिया। अपने विशाल साम्राज्य की व्यवस्था को इसने तीन भागों में बाँट दिया था।- (1) केन्द्रीय शासन, (2) प्रान्तीय शासन, (3) स्थानीय शासन। सेना, पुलिस तथा गुप्तचर व्यवस्था उत्तम कोटि की थी। वह प्रजा की उन्नति और सुख-सुविधा के लिए सदैव तत्पर रहता था। इसने अनेक धर्मशालाएँ, पाठशालाएँ, अस्पताल, नहरें और सड़कें बनवाईं। चौबीस वर्षों तक राज्य करने के बाद अपने पुत्र बिन्दुसार को शासन का भार सौंपकर यह साधु का जीवन बिताने लगा। 298 ई० पूर्व में चन्द्रगिरि पर्वत पर चन्द्रगुप्त का निधन हो गया।